समनुदेशन (Assignment) हेतु प्रश्न

बी.ए. द्वितीय वर्ष संस्कृत

संस्कृत व्याकरण DSC-1D

(SKT-DSC-202)

कुल अंक 30

निर्देश - इस पत्र में तीन समनुदेशन दिए गए हैं। प्रत्येक समनुदेशन में चार प्रश्न हैं। प्रत्येक समनुदेशन (Assignment) से दो प्रश्न अपेक्षित हैं। हस्तलिखित समनुदेशन दूरवर्ती एवं ऑनलाईन शिक्षा केन्द्र को सम्प्रेषित करें।

समनुदेशन(Assignment)1

अंक 10

(5X2)

- प्र.1 प्रयत्न किसे कहते हैं? उसके भेदों की समीक्षा कीजिए।
प्र.2 व्यंजन किसे कहते हैं? वह कितने प्रकार के होते हैं स्पष्ट कीजिए।
प्र.3 निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए-
इत् संज्ञा, लोप संज्ञा, संहिता, अनुदात्त, दीर्घ, संयोग संज्ञा, पद संज्ञा ।
प्र.4 निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच सूत्रों को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए-
अदेङ् गुणः, गतिश्च, यच्चिभम्, क्तवत्तु निष्ठा, वृद्धिरादैच्, न वेति विभाषा ।

समनुदेशन(Assignment)2

अंक 10

(5X2)

- प्र.1 सन्धि किसे कहते हैं? उसके भेद एवं उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
प्र.2 स्वर सन्धि किसे कहते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
प्र.3 हल सन्धि के भेदों पर प्रकाश डालिए।
प्र.4 विसर्ग सन्धि किसे कहते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

समनुदेशन (Assignment)3

अंक 10

(5X2)

- प्र.1 कारक किसे कहते हैं? वह कितने प्रकार के होते हैं संक्षेप में व्याख्या कीजिए।
प्र.2 स्त्री प्रत्यय से क्या अभिप्राय है, उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए?
प्र.3 निम्नलिखित में से दो सूत्रों की व्याख्या उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए-
अजाद्यतष्टाप्, उगितश्च, यञश्च, द्विगोः, ऊङुतः, पङ्गोश्च ।
प्र.4 निम्नलिखित प्रत्यय में से किन्हीं दो को सूत्र सहित सिद्ध कीजिए-
चटका, तरुणी, गार्गी, त्रिलोकी, रात्रिः, गोपी, युवतिः, दाक्षी ।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

स्नातक संस्कृत वर्ष
सत्र.....

समनुदेशन विषय

पाठ्यक्रम कोड

समनुदेशन संख्या

प्रस्तुतकर्ता

नाम

पञ्जीकरण संख्या

अनुक्रमांक.....

स्थायी पता.....

.....

.....

ई-मेल.....

मोबाइल नं.

दिनांक

हस्ताक्षर